भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची के 13वां स्थापन दिवस समारोह में राज्यपाल हुए शामिल

शिक्षण संस्थान जिम्मेदार इंसान भी बनाएं: राज्यपाल

आईआईएम

रांची | प्रमुख संवाददाता

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची का 13वां स्थापना दिवस बुधवार को मनाया गया। मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेश बैस ने संस्थान की लाईब्रेरी और रेखी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर द साइंस ऑफ हैप्पीनेस का उद्घाटन किया। मौके पर डॉ सतिंदर सिंह रेखी, प्रवीण शंकर पांडया, आईआईएम के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह समेत सभी शिक्षकगण व छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

राज्यपाल ने कहा कि आईआईएम, रांची देश के अग्रणी प्रबंध संस्थानों में से एक है और विद्यार्थियों को सर्वांगीण शिक्षा प्रदान करने की दिशा में प्रयासरत है। खुशी की बात है कि आदिवासी मामलों से संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए इस संस्थान की ओर से बिरसा मुंडा जनजातीय मामलों के केंद्र की स्थापना की गई है। समावेशी विकास के सिद्धांत का पालन करने में संस्थान का प्रयास सराहनीय है। कहा कि हैप्पीनेस सेंटर न सिर्फ आईआईएम, रांची के परिवार को बल्कि समाज और राज्य को भी खुशहाल रखने में मदद करेगा। आईआईएम संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पेक्ट के प्रिंसिपल्स फॉर रिस्पॉन्सिबल मैनेजमेंट एजुकेशन का एक हस्ताक्षरकर्ता बनने वाला पहला आईआईएम भी है। उन्होंने कहा कि अग्रणी शिक्षण संस्थानों का यह दायित्व है कि छात्रों को ऐसी मूल्यवान शिक्षा प्रदान करें, जो उन्हें समाज व राष्ट्रहित में नैतिक निर्णय लेने के लिए प्रेरित करें। संस्थान सिर्फ प्रोफेशनल मैनेजमेंट को तैयार करने तक ही सीमित न रहें।

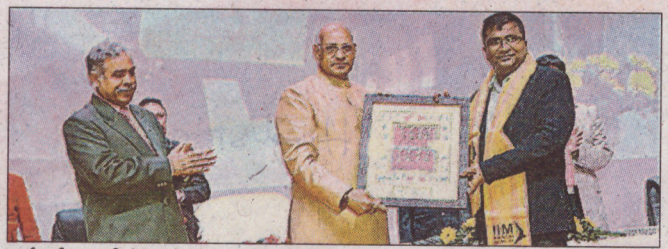

आईआईएम रांची के 13वें स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल रमेश बैस सम्मानित करते।

उद्घाटन

- संस्थान की लाइब्रेरी और रेखी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर द साइंस ऑफ हैप्पीनेस का उद्घाटन
- राज्यपाल ने कहा, आईआईएम रांची देश के अग्रणी प्रबंधन संस्थानों में से एक है

आईआईएम रांची 77 छात्रों अके साथ शुरू हुआ था

निदेशक प्रो शैलेन्द्र सिंह ने संस्थान के प्रारंभ से लेकर अब तक की यात्रा पर चर्चा की। कहा कि आईआईएम रांची 77 छात्रों और एक एमबीए कोर्स के साथ शुरू हुआ था। अब यहां सात पाठ्यक्रम हैं और 1000 से अधिक छात्र हैं। 2011 में सिर्फ दो फैकल्टी थे, जबकि वर्तमान में 55 संकाय सदस्य हैं। आईआईएम रांची के अध्यक्ष प्रवीण शंकर पंड्या ने कहा कि आईआईएम रांची की एनआईआरएफ रैंकिंग लगातार बढ़ी है। उन्होंने इस संस्था को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए झारखंड सरकार की सराहना की। मौके पर दो प्राध्यापकों प्रो अमित सचान और प्रो अमरेंद्र नंदी को आईआईएम रांची में उनकी दस साल की सेवा के लिए सम्मानित किया गया।

Hindustan, 16.12.2021, Pg. 08